

भूस्खलन से बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भूस्खलन के कारण [भारत-चीन सीमा](#) को जोड़ने वाला [ज्योतरिमठ-मलारी मार्ग](#) तथा [करणप्रयाग-गवालदम राष्ट्रीय राजमार्ग](#) अवरुद्ध हो गया।

मुख्य बद्दि

- भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से पागलनाला, पातालगंगा और नंदप्रयाग में राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है।
- [ज्योतरिमठ-मलारी मार्ग](#): [नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क](#) के भीतर एक ऊँची पहाड़ी सड़क, जो [ज्योतरिमठ \(1,934 मीटर\)](#) और [मलारी \(3,033 मीटर\)](#) को जोड़ती है।
- [धौलीगंगा नदी](#) के किनारे अत्यधिक ढलान और कई घुमावदार मोड़ हैं, जो सर्दियों में बर्फबारी एवं नदी के बाढ़ के कारण समय-समय पर क्षति का सामना करते हैं।
- [धौलीगंगा](#): इसका उद्गम [वसुधारा ताल](#) से होता है, जो संभवतः उत्तराखंड की सबसे बड़ी हमिनद झील है।
- धौलीगंगा [अलकनंदा](#) की महत्वपूर्ण सहायक नदियों में से एक है, अन्य सहायक नदियाँ [नंदाकनी](#), [पडिर](#), [मंदाकनी](#) और [भागीरथी](#) हैं।
- यह [वशिष्ठप्रयाग](#) में अलकनंदा में मलि जाती है।
- [नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान](#): भारत के उत्तराखंड में [नंदा देवी \(7,816 मीटर\)](#) की चोटी के आस-पास स्थिति; इसमें [नंदा देवी अभयारण्य](#) शामिल है, जो चोटियों से घिरा एक हमिनद बेसिन है और [ऋषिगंगा](#) द्वारा अपवाहति है।
- वर्ष 1982 में [संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान](#) के रूप में स्थापति, इसका नाम बदलकर [नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान](#) कर दिया गया; वर्ष 1988 में इसे [UNESCO विश्व धरोहर स्थल](#) के रूप में अंकति किया गया।

भूस्खलन

- भूस्खलन गुरुत्वाकर्षण के कारण ढलान से नीचे चट्टान, धरती या मलबे की गर्ता है, जो अक्सर भारी बारिश, भूकंप या ढलान की अस्थिरता जैसे कारकों से शुरू होती है। इसके परिणामस्वरूप [सामग्री का वसि्थापन](#) होता है, जिससे महत्वपूर्ण क्षति और वनिाश हो सकता है।